अमर उजाला

नारी से शक्ति

महिलाएं आज हर क्षेत्र में नाम कमा रही हैं। बात दूसरों को रोजगार देने की हो या मदद करने की। जिले में ऐसी महिलाएं हैं जो दूसरों की मदद करके भी प्रेरणास्रोत बन रही हैं।

कैंसर से जूझते बच्चों के लिए उम्मीद की रोशनी

डॉक्टर गौरी कपूर

कैंसर.. यह एक ऐसा शब्द है जिसे सुनते ही अक्सर परिवारों की दुनिया जैसे थम जाती है। उम्मीदें धुंधली पड़ने लगती हैं और भविष्य अनिश्चित सा दिखाई देता है। लेकिन ऐसे ही कठिन पलों में कुछ लोग उम्मीद की रोशनी बनकर सामने आते हैं। नई दिल्ली के राजीव गांधी कैंसर इंस्टिट्यूट एंड रिसर्च सेंटर की मेडिकल डायरेक्टर डॉ गौरी कपूर उन्हीं नामों में से एक हैं, जिन्होंने हजारों परिवारों के जीवन में भरोसे और साहस की नई किरण जगाई है। पिछले 26 सालों से डॉ गौरी कपूर बच्चों के कैंसर के इलाज में अपनी सेवाएं दे रही हैं। उनके लिए यह केवल एक पेशा नहीं, बल्कि एक मिशन है। वे सिर्फ बीमारी का इलाज ही नहीं करतीं, बल्कि मरीजों और उनके परिवारों को मानसिक रूप से भी संभालती हैं। जब किसी माता-पिता को यह पता चलता है कि उनके बच्चे को कैंसर है, तब उनके भीतर डर की एक गहरी लहर दौड़ जाती है। ऐसे समय में डॉ कपूर का धैर्य, संवेदनशीलता और भरोसा उन्हें संभालने का काम करता है। राजीव गांधी कैंसर इंस्टिट्यूट एंड रिसर्च सेंटर में मेडिकल डायरेक्टर और पीडियाट्रिक हेमेटोलॉजी व ऑन्कोलॉजी विभाग की प्रमुख के रूप में उन्होंने इस विभाग को एक मजबूत पहचान दिलाई है। उनके नेतृत्व में यह विभाग न केवल इलाज का केंद्र बना है, बल्कि रिसर्च और प्रशिक्षण के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। डॉ गौरी कपूर मानती हैं कि कैंसर का समय पर पता चलना इलाज की सफलता की सबसे बड़ी कुंजी है। साथ ही वे यह भी कहती हैं कि सिर्फ आधुनिक तकनीक और दवाइयां ही काफी नहीं होतीं। मरीज और उसके परिवार के साथ संवेदनशील व्यवहार, भरोसे से भरी बातचीत और धैर्य भी उतना ही जरूरी है। कई बार इलाज के दौरान परिवार आर्थिक और मानसिक रूप से टूटने लगता है। ऐसे समय में भी डॉ कपूर उनके साथ खड़ी रहती हैं। यही वजह है कि उनके कई छोटे मरीज आज पूरी तरह स्वस्थ होकर सामान्य जीवन जी रहे हैं और अपने सपनों को पूरा कर रहे हैं। डॉ गौरी कपूर केवल एक डॉक्टर नहीं हैं। वह अनगिनत परिवार की उम्मीद हैं।